

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2010

00449

पी.जी.डी.टी.-2 : अनुवाद का भाषिक और सामाजिक पक्ष

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

भाग -I

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. भाषा के सामाजिक संदर्भों का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए। 20
2. शब्द-रचना के विविध उपादान का विवेचन कीजिए। 20
3. भाषा-विकास में अनुवाद के योगदान की चर्चा कीजिए। 20
4. बहुभाषिक समाज में अनुवाद के विविध क्षेत्रों पर प्रकाश डालिए। 20
5. दूर शिक्षा पाठ सामग्री के अनुवाद में जिन विशेष बिन्दुओं पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है, उनका विश्लेषण कीजिए। 20
6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : 10x2=20
 - (a) पदबंध
 - (b) अनुवाद का सांस्कृतिक पक्ष
 - (c) प्रशासनिक कार्यों में अनुवाद की आवश्यकता
 - (d) सामान्य शब्द और पारिभाषिक शब्द

भाग -II

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

7. हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

20

Political parties are indispensable for the working of a democratic government. They are the connecting link between the people and the government. They are the vehicle through which individuals and groups work to secure and exercise political power. They make people politically conscious of their role as citizens. They are the agencies that maintain a continuous link between the people and those who represent them in government or in the opposition.

Political parties may differ on ideologies, and consequently, on their goals and means. The modern trend is to divide them broadly into two categories - right and left. The rightist parties are conservative and status quo oriented whereas the leftist parties are revolutionary and change - oriented. In many European countries there are centrist parties which do not belong either to the right or to the left. Of late, religious fundamentalism has also entered the arena of political parties. Several states in the world today are under the grip of religious fundamentalism.

8. अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

10

ग्रामीण बैंक वह स्वैच्छिक संस्था है जिसका उदय 1970 के दशक के मध्य में बांग्लादेश में हुआ। इसका लक्ष्य देश के चुने हुए क्षेत्रों में ग्रामीण जनसंख्या के निचले स्तर के 40 प्रतिशत लोगों तक था। इसके लक्ष्य समूह में सामान्य तौर पर वे घर आते हैं जिनके पास आधे एकड़ से अधिक भूमि नहीं है।

ग्रामीण बैंक लक्षित समूहों को बैंकिंग सेवाएँ अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से उनके घरों पर उपलब्ध कराते हैं। वे ऋण लेने वालों के साथ साप्ताहिक बैठकों में भाग लेते हैं जहाँ ऋण की राशि उपलब्ध कराई जाती है और ऋण भुगतान की किश्तें इकट्ठी की जाती हैं। ग्रामीण बैंक ने तीव्रता से प्रगति की है और 1984 के अंत तक बांग्लादेश के सभी गाँवों के 2.5 प्रतिशत को अपनी सेवाएँ दीं।

ग्रामीण बैंक की उल्लेखनीय विशेषता यह है कि इसमें लगभग 51 प्रतिशत सदस्य महिलाएँ हैं जो उपलब्ध कराई गई राशि का लगभग 37 प्रतिशत प्राप्त करती हैं। ग्रामीण बैंक की ऋण राशि का उपयोग मूलतः ग्रामीण गैर-फसल कार्यकलापों जैसे व्यापार, दुकानदारी, पशुधन और निर्माण कार्यों को चलाने के लिए किया जाता है।

यह भी उल्लेखनीय है कि ग्रामीण बैंकों से कृषि - इतर कार्यकलापों में महिलाओं की अधिक भागीदारी को बढ़ावा मिला है। ऋण प्राप्तकर्ता घरों की प्रति व्यक्ति आय ऋण न प्राप्त करने वालों की तुलना में तीव्रता से बढ़ी है।

9. निम्नलिखित प्रश्न - पत्र का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 10

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

Term-End Examination

June, 2001

ELECTIVE COURSE : HISTORY

EHI- 1 : MODERN INDIA 1857 - 1964

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

(Weightage 70%)

Note : Answer any five questions in about 600 words each. All questions carry equal marks.

1. What were the causes of the Revolt of 1857 ? What impact did it have on British policies in India.
2. Write a note on the process of social reforms in 19th century India.
3. What is the contribution of the Non - Cooperation Movement to India's struggle for freedom ? How was this movement related to the issue of Khilafat ?
4. Write an essay on the formation and activities of the Swaraj Party.
5. How did leaders like Jawaharlal Nehru and Subhash Chandra Bose contribute to the growth of socialist ideas in India ?